

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

राज्यपाल ने पी०जी०आई० में कार्यशाला का उद्घाटन किया
डाक्टर के विश्वास से मरीज का भी आत्म-विश्वास बढ़ता है--श्री नाईक

लखनऊ: 05 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में कार्डियोलाॅजी विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय इण्डो-जैपनीज लाइव सम्मिट आॅन क्रोनिक टोटल आक्लूजन के उद्घाटन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज का विषय बहुत प्रासंगिक है। बदलती हुई जीवन शैली से हृदय आघात, मधुमेह आदि रोज के शब्द हो गये हैं। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में सुधार करना वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के लिये चुनौतीपूर्ण कार्य है।

श्री नाईक ने संस्थान की प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्थान का नाम अब केवल प्रदेश एवं देश तक सीमित नहीं है, बल्कि पी०जी०आई०, लखनऊ ने विदेशों में भी अपना नाम स्थापित किया है। पड़ोसी देशों के भी लोग अपना इलाज कराने यहां आते हैं। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार इस समय भारत में दस करोड़ से ज्यादा लोग अनेक बीमारियों की चपेट में हैं। 2020 तक यदि सुधार नहीं हुआ तो हृदयरोगियों की संख्या बढ़ सकती है। ज्ञान बांटने से ज्ञान बढ़ता है। ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन से जहां ज्ञान का आदान-प्रदान होगा तो वहीं प्रतिभागियों में कौशल का विकास होगा, जिससे उनमें रोगी सेवा के लिये नया विश्वास पैदा होगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला की सार्थकता तभी सम्भव है जब ज्ञान में वृद्धि हो।

राज्यपाल ने कहा कि आज का विषय तकनीकी विषय है। प्रदेश के मुखिया एवं संस्थान के कुलाध्यक्ष होने के नाते वे उद्घाटन सत्र में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष पहले जब वे कैंसर से पीड़ित थे तो डाक्टरों की राय मानते हुए उन्होंने एक अच्छे रोगी होने का परिचय दिया था। चिकित्सकों ने जिस प्रकार उनका इलाज किया और मन में विश्वास पैदा किया वह अद्वितीय था। उन्होंने कहा कि डाक्टर के विश्वास से मरीज का भी आत्म-विश्वास बढ़ता है।

इस अवसर पर डा० राकेश कपूर, निदेशक, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कार्यशाला से निश्चित रूप से ज्ञान में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में जापान से आये डा० तोशिया मारामत्सु सहित डा० सूर्य प्रकाश राव, डा० गणेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में ग्रीस, अमेरिका, जापान व अन्य देशों के विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। कार्डियोलाॅजी के विभागाध्यक्ष, डा० पी०के० गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



